Hindi Murli Quiz 14-09-2015

.

Q.1) ईश्वरीय सेवा में स्वयं को आफर करो तो ___ मिलती रहेगी।

A. प्राप्तियां
B. ख़ुशी
C. आफरीन

Q.2) सेवा में स्वत सफलता कैसे होगी

A. बाबा की याद में सेवा करने से
B. निमित्त भाव से सेवा करने से
C. हांजी का पाठ पक्का करने से

Q.3) श्रेष्ठ सेवाधारी कौन है (आज के वरदान अनुसार)

A. हर कदम श्रेष्ठ बनाने वाला
B. हर कदम बाप से चेक करवाने वाला
C. हर कदम बाप के कदम पर रखने वाले।

Q.4) जितना सेवा में, स्व में व्यर्थ समाप्त हो जाता है उतना ही ___

A. बाप के दिल्ताख्तनशीन बनते है
B. समर्थ बनते हैं
C. अनन्य बनते है
D. गुणमूर्त बनते है

Q.5) सही वाक्य पर टिक करें

A. श्रेष्ठ सेवाधारी वह है जो स्वयं भी सदा उमंग उत्साह में रहे और औरों को भी उमंग उत्साह दिलाये।
B. भक्ति मार्ग में ऐसा मूंझ जाते हैं जैसे भूल-भुलैया में मूंझ जाते हैं।
C. लक्ष्मी-नारायण - इनके राज्य में दूसरा कोई धर्म होता नहीं।

Q.6) इन्हें मिलाएं

	Choice		Match
A	खेल	1	साहस तोड़ती है
B	पढ़ाई में पास होने का मुख्य आधार	2	निश्चय
C	माया	3	बहुत नुकसान
D	संशय आया	4	ज्ञान और अज्ञान
E	निश्चयबुद्धि	5	साहस चाहिए

Q.7) आज के मुरली अनुसार ये अविनाशी है

A. ड्रामा
B. ज्ञान
C. पार्ट
D. दुनिया

Q.8) पुरानी देहली है। अब पुरानी देहली मिटनी है, उसके बदले अब नई बननी है। अब नई कैसे बनती है? पहले तो

A. आत्मा और परमात्मा का ज्ञान सबको देना है
B. सब को बाप का परिचय देना है
C. योग अग्नि से विश्व को पावन करना है
D. उसमें रहने वाले लायक चाहिए।

Q.9) देह- अभिमान घड़ी-घड़ी क्यूँ आता है

A. बाप को याद नहीं करने से

B. ज्ञान नहीं समझने से

C. आधाकल्प का देह-अभिमान है

D. संषय रखने से

Q.10) कोई भी कारण से बाप को छोड़ा तो कहेंगे।

A. कपूत

B. कमबख्त